B.A. Part-II (Hons) Psychopathology.

Q. फोबिया क्या है इसके लक्षणों का वर्णन करे।

Ans. फोबिया एक असामान्य व्यवहार है। इसमें रोगी को ज्ञान रहता है कि उस वस्तु विशेष अथवा उस परिस्थिति विशेष से डरने को कोई बात नहीं है लेकिन फिर भी वह इस प्रकार के भय से छुटकारा नहीं पाता है वह इसके चंगुल में फँसा ही रहता है जैसे - फोबिया से ग्रस्त व्यक्ति खुले स्थानों में साधारण भीड़ से डरते है। कुछ रोगी तो पानी से डरते हैं। वास्तव में इन वस्तुओं या परिस्थितियों से डरने की कोई बात नहीं है रोगी भी समझता है कि वह भय मुर्खतापूर्ण है फिर भी वह क्यों डरता है। हाँ यदि माता-पिता इस असामान्य भय से कारण को रोगी के सामने समझा देते है तो रोगी चंगा हो जाता है। उसका असामान्य भय पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है। इस प्रकार सामान्य भय और असामान्य भय दोनों में अन्तर है।

फोबिया के सामान्य लक्षण

(i) भय तथा चिंता : फोबिया का एक मुख्य लक्षण भय तथा चिन्ता है रोगी का भय स्थायी स्वरूप का होता हैं शुरू में भय का संबंध किसी विशेष वस्तु अथवा परिस्थिति से होता हैं लेकिन बाद में उसका सामान्यीकरण हो जाता है जैसे- झरने से गिरते हुए पानी से डरने वाली लड़की नल से गिरते से डरने लगता है।

(ii) पलायन व्यवहार — फोबिया के रोगी में पलायन व्यवहार देखा जाता है। रोगी भय तथा चिन्ता वाली परिस्थितियों से दूर भागने का प्रयास करता है। जैसे- झरना, तालाब आदि से अलग रहने का प्रयास करता है।

(iii) अनौचित्य व्यवहार - फोबिया के रोगी में पलायन व्यवहार देखा जाता है रोगी भय तथा चिन्ता वाली परिस्थितियों से दूर भागने का प्रयास करता है।

(iv) आघातजन्य अनुभव :- फोबिया के रोगी में आघात-जन्य अनुभव का लक्षण पाया जाता है। फोबिया का आरंभ बचपन में किसी आघात-जन्य अनुभव से होता है

(v) शारीरिक लक्षण - फोबिया के रोगी में कई तरह के शारीरिक लक्षण पाये जाते हैं जैसे- सिर में दर्द, कमर में दर्द होना आदि।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
V.R. college Roser Samastipur
Paper-III, Psychopathology

9570435959, 9431852588